हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 26 जुलाई 2026

10 पीजी प्रथम वर्ष प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का आज...

11 सतनाली को उपमंडल का दर्जा देने व सिटी फीडर...

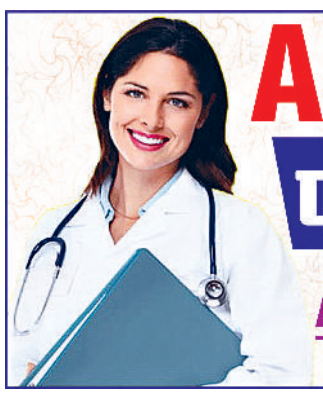

AIT KANINA PHARMACY COLLEGE
Approved by : AICTE & PCI, New Delhi
पॉलिटेक्निक करें नौकरी पाएं
B.PHARM (4 YEARS) D.PHARM (2 YEARS)
2 YEARS COURSE
ADMISSION OPEN
For Session 2026-27
Eligibility : 10+2 Pass (Medical & Non-Medical)
सीटें सीमित
पता : AIT Pharmacy College गाहड़ा रोड, कनीना Mob. : 9992696300, 9466464921

MR DEGREE COLLEGE
।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) | B.SC. (Non-Medical)
B.A. | B.COM | M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. | JBT D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2026-27
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

खबर संक्षेप

एकादशी पर देसी घी के हलवे का प्रसाद वितरित

महेंद्रगढ़। एकादशी पर्व पर नगर के परशुराम चौक पर पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जनहित एवं धार्मिक परंपरा को निभाते हुए श्रद्धालुओं के लिए देसी घी के हलवे के प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धा और सेवा का सुंदर संगम देखने को मिला। रामलीला के पूर्व संरक्षक घीसाराम सैनी ने बताया कि एकादशी का पर्व भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में विशेष महत्व रखता है।

अवैध शराब सहित आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सोनू निवासी वार्ड नंबर-सात नांगल चौधरी सफेद कट्टे में अवैध शराब लेकर ढाणी ठाकरान नदी की तरफ से पैदल आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने रेडिंग पार्टी का गठन कर बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपित मौके से भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस ने काबू कर लिया। आरोपित की तलाशी लेने पर कुल 80 पब्बे देसी शराब बरामद हुए। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ विरुद्ध थाना नांगल चौधरी में आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आरोपित से 24 बोतल अवैध शराब बरामद

कनीना। थाना सदर पुलिस ने एक आरोपित को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि विकास निवासी गांव कोका अपने घर से अवैध रूप से शराब बेचने का कार्य करता है। जिस पर थाना सदर पुलिस ने आरोपित के मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपित से कुल 24 बोतल अवैध शराब बरामद की।

जिले में इस अभियान से संबंधित कोई भी मामला लंबित नहीं

महेंद्रगढ़ में एसआईआर अभियान का चरण पूरा, दावे और आपत्तियां 31 से

- तहसीलदार सुरेंद्र हुड्डा बोले, मतदाता फार्म 6, 7 व 8 के माध्यम से एक माह तक करा सकेंगे क्लेम व ऑब्जेक्शन
- 7 .49 लाख मतदाताओं में से 6 .85 लाख से अधिक के निर्वाचन प्रपत्र डिजिटाइज, जिले में कोई मामला लंबित नहीं

राजकुमार ▶▶ नारनौल

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिला महेंद्रगढ़ में मतदाता सूची के सत्यापन और निर्वाचन प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया गया है। अब इस प्रक्रिया का अगला चरण 31 जुलाई से शुरू होगा, जिसमें मतदाता अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। इसके लिए मतदाता फार्म संख्या 6, 7 और 8 का उपयोग कर सकेंगे। दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने के लिए एक माह का समय दिया जाएगा।

बता दें कि बीते कल 24 जुलाई को शाम चार बजे तक जारी एसआईआर रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल 7 लाख 49 हजार 607 पंजीकृत मतदाताओं में से 6 लाख 85 हजार 587 मतदाताओं के निर्वाचन प्रपत्र डिजिटाइज किए जा चुके हैं। यह कुल मतदाताओं का 91.46 प्रतिशत है। वहीं 64 हजार 20 मतदाताओं के निर्वाचन प्रपत्र विभिन्न कारणों से एकत्र नहीं हो सके। जिले में इस अभियान से संबंधित कोई भी मामला लंबित नहीं है। निर्धारित अवधि में कार्य पूरा कर लिया गया।

नारनौल। एसआईआर के कार्य को पूरा करने में जुटे बीएलओ। फोटो : हरिभूमि

एक नजर में जिला

जिला महेंद्रगढ़ में कुल 7 लाख 49 हजार 607 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से 6 लाख 85 हजार 587 मतदाताओं (91.46 प्रतिशत) के निर्वाचन प्रपत्र डिजिटाइज किए गए हैं। 64 हजार 20 मतदाताओं (8.54 प्रतिशत) के निर्वाचन प्रपत्र विभिन्न कारणों से एकत्र नहीं हो सके। पूरे अभियान में 772 बीएलओ ने कार्य किया तथा अंतिम रिपोर्ट के अनुसार जिले में कोई भी मामला लंबित नहीं है। एसआईआर अभियान चुनाव आयोग की उन महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में शामिल है, जिनका उद्देश्य मतदाता सूची को समय-समय पर अद्यतन रखना है। इस प्रक्रिया के माध्यम से मतदाता सूची में उपलब्ध विवरणों का सत्यापन किया जाता है ताकि आगामी चुनावों से पहले सूची अधिक सटीक और पारदर्शी बन सके। अभियान पूरा होने के बाद अब दावा एवं आपत्ति की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसमें मतदाता स्वयं भी अपने विवरणों का सत्यापन करा सकेंगे।

प्रदेश की तस्वीर

राज्य में कुल 2 करोड़ 6 लाख 55 हजार 929 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से 1 करोड़ 72 लाख 70 हजार 135 मतदाताओं (83.61 प्रतिशत) के निर्वाचन प्रपत्र डिजिटाइज किए गए हैं। 33 लाख 84 हजार 336 मतदाताओं (16.38 प्रतिशत) के निर्वाचन प्रपत्र विभिन्न कारणों से एकत्र नहीं हो सके। पूरे हरियाणा में 20 हजार 629 बीएलओ ने यह अभियान संचालित किया। अंतिम रिपोर्ट में केवल हिसार जिले के 1,458 मामले लंबित दर्शाए गए हैं। यदि सूची अद्यतन और त्रुटिरहित होगी तो पात्र मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

यह कहते हैं चुनाव अधिकारी

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का निर्धारित चरण पूरा कर लिया गया है। अब 31 जुलाई से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। मतदाता फार्म नंबर 6, 7 व 8 के जरिए नया नाम जुड़वाने, नाम हटाने अथवा किसी प्रकार का संशोधन कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा एक माह का समय निर्धारित किया गया है। सभी पात्र मतदाता इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मतदाता विवरण का सत्यापन अवश्य करा लें।

-सुरेंद्र हुड्डा, तहसीलदार एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नारनौल

नारनौल। बिजली कटौती के खिलाफ जुलूस निकालते कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों ने बिजली कटौती के खिलाफ किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बिजली कटौती के खिलाफ गांव धनौन्दा व आसपास के खरकड़ा बास, झाड़ली छिथरोली, सिहोर, खेड़ी तलवाना, कैमला गांवों के लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और जूलूस निकाला। जूलूस का नेतृत्व प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमों प्रमुख समाजसेवी अतरलाल ने किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में मांग लिखे पोस्टर लेकर बिजली कटौती बंद करो, बिजली निगम होश में आओ और बिजली व्यवस्था में सुधार करो के जोरदार नारे लगाए।

नेताजी अतरलाल, चेयरमैन रतनसिंह, डॉ. मुकेश तंवर, पिताम्बर प्रधान, मीरसिंह वैद्य, हवलदार हवासिंह, गोशाला प्रधान पवन, नगेन्द्र, गिरधारी ने कहा कि रोजाना बिजली के अघोषित लंबे-लंबे कट लग रहे हैं। जिससे आमजन परेशान हैं। पिछले एक सप्ताह से अधिकारियों को बार-बार अवगत करवाने के बाद भी कोई सुधार नहीं किया गया। इसलिए लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि दो दिन के अंदर तत्काल बिजली कटौती बंद कर आपूर्ति में सुधार नहीं किया गया, तो उपमंडल अधिकारी विद्युत कनीना के कार्यालय का घेराव किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने अधीक्षक अभियंता नारनौल, कार्यकारी अभियंता महेन्द्रगढ़ व उपमंडल अधिकारी कनीना को प्रेषित ज्ञापन नेताजी अतरलाल को सौंपा। अतरलाल ने ज्ञापन को तत्काल अधिकारियों को भेजने का भरोसा दिया। जुलूस में रतनसिंह चेयरमैन, पूर्व सरपंच राजेन्द्र सिंह, पूर्व सरपंच रामबिलास शर्मा, कृष्ण सिंह, मुकेश तंवर, कैलाश सेठ, मीरसिंह वैद्य, पवन तंवर, अशोक, घनश्याम पंच, कमरू मिस्त्री, पृथी, बलवान, रूपेन्द्र, कपिल शर्मा, प्रमोद, सुरेन्द्र, सतंलाल, ताराचंद, हव. हवासिंह, नवीन, नरेश, रामबीर, हनुमान आदि कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

मधुमक्खी पालक के फार्म से लाखों के सामान की चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

शहर थाना क्षेत्र में चोरी व संपत्ति के नुकसान की घटना सामने आई है। जिस पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बारे में बिहार के मधेपुरा जिला निवासी प्रवेश कुमार, जो कनीना क्षेत्र में मधुमक्खी पालन का कार्य करता है, पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जब वह बिहार में था, तब उसके भाई व साले की अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की सूचना मिली थी। इसी दौरान कनीना स्थित उनके फार्म पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने जहर डालकर मधुमक्खियों को मार दिया। इतना ही नहीं उसके फार्म से दो अलग-अलग घटनाओं में कुल 232 मधुमक्खी पालन बॉक्स, नौ कट्टे चीनी, शहद निकालने की मशीन, सोलर प्लेट, बैटरी, गैस सिलेंडर व अन्य सामान भी चोरी कर लिया। घटनास्थल पर ट्रैक्टर व पिकअप के निशान भी पाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने कुल 2074000 रुपये का नुकसान बताते हुए अजय कुमार नामक व्यक्ति पर घटना को अंजाम देने का शक जताया है।

छात्रों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लोकतांत्रिक जवाबदेही बताया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने हाल ही में विश्वविद्यालय परिसर में सांकेतिक धरना देकर दिल्ली में छात्रों से जुड़े घटनाक्रम के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की थी। छात्रों ने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा, मानवाधिकारों के सम्मान तथा नैतिक एवं राजनीतिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करते हुए तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की थी। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद छात्रों ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। छात्रों का कहना है कि किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की मजबूती केवल विकास कार्यों से नहीं, बल्कि शासन की पारदर्शिता, संवेदनशीलता और नागरिकों के अधिकारों के सम्मान से भी सुनिश्चित होती है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र नेता शुभम ने कहा कि भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं एवं भर्ती प्रक्रियाओं में पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े और प्रभावी कानून बनाए जाने चाहिए।

दुकान से 56 ग्राम गांजा बरामद, आरोपित काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए नशा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले काफी समय से मंडी अटेली के पुराना बस स्टैंड बहरोड़ रोड़ स्थित एक दुकान पर गांजा बेचे जाने की गुप्त सूचना खुफिया एजेंसी और पुलिस को मिल रही थी।

इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने उप निरीक्षक राम लखन सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। इसके साथ ही कार्रवाई को पूरी पारदर्शिता के साथ अंजाम देने के लिए राजेंद्र सिंह नैन ईटीओ को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया।

रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे अटेली पुलिस टीम ने दुकान पर अचानक छापामारी की। तलाशी के दौरान दुकान से 56 ग्राम 120 मिलीग्राम गांजा बरामद किया गया। जिसे मौके पर मौजूद ड्यूटी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में तौला गया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए। आरोपी सुभाष गुप्ता पुत्र जयनारायण वार्ड नंबर छह अटेली मंडी को गिरफ्तार कर लिया एवं उसे अदालत में पेश किया गया।

मंडी अटेली। पुलिस की गिरफ्त में आरोपित।

मुख्यमंत्री का विजन धरातल पर उतारने को 19 विभागों के अधिकारी लगाएंगे स्टॉल

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला आज, 3 हजार से अधिक लाभार्थियों की हुई प्री-काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विजन के अनुरूप समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 26 जुलाई को सभागार में नारनौल विधानसभा क्षेत्र के लिए आयोजित होने वाले एक दिवसीय मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले के लिए जिला प्रशासन की ओर से सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इस संबंध में मेले के नोडल अधिकारी एवं एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने बताया कि उपायुक्त अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में प्रशासन का मुख्य ध्येय यह है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित न रहे। मेले को सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए बीते एक सप्ताह से लगातार विशेष अभियान चलाया गया, जिसके तहत नारनौल विधानसभा क्षेत्र के तीन हजार से अधिक लाभार्थियों की पहले ही प्री-काउंसलिंग की जा चुकी है। इस प्री-काउंसलिंग का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को विभिन्न विभागों की योजनाओं से अवगत कराना रहा, ताकि वे मेले वाले दिन बिना किसी भ्रम के अपनी इच्छा और योग्यता के अनुसार सही योजना का चयन कर सकें। एसडीएम ने बताया कि प्री-काउंसलिंग टीमों ने घर-घर और क्षेत्र स्तर पर पहुंचकर लाभार्थियों से संवाद साधा है। मेले के दिन आने वाले नागरिकों को कागजी औपचारिकताओं के कारण किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर ही लाभार्थियों के आवश्यक दस्तावेज व कागजात तैयार करवाएंगे।

नारनौल। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना की तैयारी में लगे कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

यह विभाग लगाएंगे स्टॉल

इस मेले में प्रदेश सरकार के 19 प्रमुख विभाग एक ही छत के नीचे अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ उपस्थित रहेंगे। इसमें पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा डेयरी विकास प्रसंघ, महिला विकास निगम, बाल कल्याण परिषद, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम, कौशल विकास निगम, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम निदेशालय, उद्यान विभाग, मत्स्य पालन विभाग, रोजगार विभाग, रेडक्रॉस, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के कॉमन सर्विस सेंटर, शहरी स्थानीय निकाय और ग्रामीण विकास विभाग शामिल हैं। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 26 जुलाई को प्रातः नौ बजे से पूर्व अपने स्टॉल स्थापित कर लें, ताकि नागरिकों को तुरंत सहायता प्रदान की जा सके।

पत्रकारिता की चुनौतियों पर गोष्ठी आज

मंडी अटेली। हरियाणा पत्रकार संघ अटेली इकाई द्वारा स्थानीय स्तर पर पत्रकारों के सशक्तिकरण एवं संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 26 जुलाई को बैठक एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह साढ़े 10 बजे लिटिल स्टार प्ले स्कूल अटेली में आयोजित होगा। इस मौके पर हरियाणा पत्रकार संघ के जिला प्रधान प्रदीप बालरोडिया, जिला संयोजक आनंद शर्मा एवं प्रख्यात साहित्यकार रोहित यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। अटेली के प्रधान आनंद शर्मा ने बताया कि इस तरह के आयोजन पत्रकारों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने और उनके मनोबल को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

SOMANY EDUCATIONAL INSTITUTIONS
25+ YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION
* Somany Institute of Technology and Management * Somany College of Pharmacy
ADMISSIONS OPEN
COURSES OFFERED
SITM Courses
• B.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• M.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• BBA • BCA • MBA
SCP Courses
• D.Pharma
• B.Pharma
Upto 100% Scholarship
Facilities
• Experienced Faculty
• Modern Infrastructure
• Well Equipped Labs
• Placement Assistance
• Holistic Development
Delhi - Jaipur Highway, NH - 48, Near Rewari City Sector 26
www.somanyncr.in | www.somanycollegeofpharmacy.in
ADMISSION HELPLINE 9541069998 | 01274-261239 | 9034717734 | 7082539268

खबर संक्षेप

हाफ मैराथन को लेकर नागरिकों में उत्साह

नारनौल। नशा मुक्ति का संदेश देने के लिए हरियाणा उदय अभियान व सामुदायिक पुलिसिंग के तहत नौ अगस्त को आयोजित होने वाली हाफ मैराथन को लेकर नागरिकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे । महज दो सप्ताह पहले तक जहां पंजीकृत नागरिकों की संख्या 31000 के आसपास थी, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 41153 तक पहुंच गया है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि पांच किलोमीटर की दौड़ में 40721 व 10 किलोमीटर की श्रेणी में 476 पंजीकरण हो चुके हैं।

एसडीएम ने किया सैदपुर व तिगरा गांव का दौरा

नारनौल। एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने शनिवार को सैदपुर और तिगरा गांव का दौरा कर वहां जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। जल निकासी की स्थिति देखने के साथ-साथ गांव का दौरा भी किया। दौरे के समय एसडीएम ने ग्रामीणों से बातचीत की और गांव में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि जल निकासी के संबंध में शिकायत मिली थी, जिसका वह खुद मौके पर जाकर जायजा लेने पहुंचे थे।

पीजी में प्रथम वर्ष प्रवेश के लिए आवेदन करने का आज अंतिम दिन

29 को जारी होगी पहली सूची, 31 से दो तक होंगे प्रथम चरण के दाखिले

खास बातें

- यूजी प्रथम वर्ष की पहली मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों के पास फीस जमा करवाने के लिए 2 दिन और बचे
- अपील : अंतिम तिथि का इंतजार न करें विद्यार्थी, समय पर आवेदन व फीस जमा कर सुनिश्चित करें दाखिला

नारनौल। राजकीय पीजी कॉलेज। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्नातकोत्तर (पीजी) प्रथम वर्ष सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के पास ऑनलाइन आवेदन करने लिए आज अंतिम दिन है। उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की ओर से जारी प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार पीजी प्रथम वर्ष के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन प्रक्रिया 11 जुलाई से शुरू हुई थी, जो 26 जुलाई तक चलेगी। इसके साथ ही महाविद्यालय में स्नातक (यूजी) प्रथम वर्ष की पहली फाइनल मेरिट सूची भी जारी कर दी गई थी। जिसमें चयनित विद्यार्थियों को 27 जुलाई तक ऑनलाइन फीस जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना बता दें कि पीजी प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थी आवेदन पत्र भरने के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर अपलोड करें, ताकि मेरिट सूची तैयार करने में किसी प्रकार की परेशानी न आए। अंतिम दिनों में प्रवेश पोर्टल पर अधिक दबाव रहने की संभावना रहती है, इसलिए विद्यार्थी अंतिम तिथि का इंतजार करने के बजाय जल्द से जल्द आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार पीजी प्रथम वर्ष की प्रथम चरण की अस्थायी मेरिट सूची 29 जुलाई को प्रदर्शित की जाएगी। इसके बाद प्रथम चरण की काउंसलिंग एवं प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित होगी। जिन विद्यार्थियों का नाम प्रथम मेरिट सूची में आएगा, उन्हें निर्धारित अवधि में सभी औपचारिकताएं पूरी कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना होगा।

फीस जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें विद्यार्थी

इधर स्नातक (यूजी) प्रथम वर्ष प्रवेश प्रक्रिया के तहत बुधवार को पहली फाइनल मेरिट सूची जारी कर दी गई थी। इस सूची में चयनित विद्यार्थियों को 23 से 27 जुलाई तक ऑनलाइन फीस जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना होगा। निर्धारित समय सीमा में फीस जमा नहीं करने पर संबंधित सीट अगले चरण के लिए रिक्त मानी जाएगी। यूजी प्रथम वर्ष की प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद 28 जुलाई को दूसरी प्रोविजनल मेरिट सूची जारी की जाएगी। प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के बाद 29 जुलाई को दूसरी फाइनल मेरिट सूची प्रकाशित होगी। दूसरी सूची में चयनित विद्यार्थियों को 30 जुलाई से तीन अगस्त तक ऑनलाइन फीस जमा कर प्रवेश लेना होगा।

3 अगस्त से भौतिक काउंसलिंग

पीजी कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि यदि प्रथम चरण के बाद सीटें रिक्त रहती हैं, तो तीन अगस्त से भौतिक काउंसलिंग शुरू की जाएगी। इसके साथ ही चार अगस्त से ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल दोबारा खोला जाएगा, ताकि जो विद्यार्थी पहले आवेदन नहीं कर पाए हैं, वे विलंब शुल्क के साथ आवेदन कर सकें। उन्होंने बताया कि चार से 11 अगस्त तक 100 रुपये विलंब शुल्क तथा 12 से 18 अगस्त तक 100 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त विलंब शुल्क के साथ आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। प्रवेश संबंधी किसी भी जानकारी के लिए विद्यार्थी महाविद्यालय के प्रवेश सहायता केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

महेंद्रगढ़। पूर्व शिक्षामंत्री के जन्मदिन पर श्रमदान करते कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा का जन्मदिन मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा प्रो. रामबिलास शर्मा के जन्मदिन को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा, समर्पण व सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री अमित मिश्रा के नेतृत्व में दिनभर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रमिक साथियों को मिठाई वितरण से हुआ। कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर श्रमिकों का सम्मान किया तथा उन्हें मिठाई वितरित कर जन्मदिन की खुशियां साझा की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि समाज के श्रमवीरों का सम्मान ही सच्ची सेवा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक अमित मिश्रा ने कहा कि प्रो. रामबिलास शर्मा का सार्वजनिक जीवन सदैव सेवा, संगठन और राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहा है। उनके जन्मदिन को केवल शुभकामनाओं तक सीमित न रखते हुए समाजोपयोगी कार्यों के माध्यम से मनाने का उद्देश्य युवाओं एवं कार्यकर्ताओं में सेवा की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा ही संगठन है और इसी विचार को आत्मसात करते हुए कार्यकर्ताओं ने यह आयोजन किया। इस मौके पर बसंत गोयल, नरेश चेयरमैन, सुशील शर्मा, रमेश कौशिक, रामचंद्र जांगड़ा, मुकेश शर्मा, अतुल दीवान, अनिल सेठ, नरेश जोशी, सूर्यप्रकाश कौशिक, विष्णु सोनी, राजेश लावणिया, मोहन गोस्वामी, मोहन सैनी, सुनील यादव, बिट्टू सैनी, प्रदीप सेन, विक्की खादी भंडार, राजेश बोहरा, आशु बोहरा, गिरधर कनौडिया आदि मौजूद रहे।

नशे से दूर रहने की दिलवाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। नशा मुक्ति अभियान में भाग लेते विद्यार्थी व कॉलेज स्टाफ।

राजकीय महाविद्यालय में रेड रिबन व यूथ रेड क्रॉस के सानिध्य में नशामुक्त हरियाणा अभियान प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में चलाया गया। प्राचार्य डॉ कृष्ण कुमार ने बताया कि उच्चतर शिक्षा आयुक्त व उपायुक्त के दिशा-निर्देशों में नोडल अधिकारी डॉ. चंद्र मोहन की अगुवाई में महाविद्यालय में लगातार जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन से कंधे से कंधा मिलाकर अनेक जनजागृति अभियान चलाकर युवाओं को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के विकास और उत्थान के लिए नशामुक्त समाज की आवश्यकता है। नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है, जो न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नष्ट करती है, बल्कि उसके परिवार और पूरे राष्ट्र की प्रगति में भी बड़ी बाधा बनती है। दुर्गा शक्ति इंचार्ज इंस्पेक्टर मिनाक्षी शर्मा ने विद्यार्थियों को नौ अगस्त को होने वाली राज्य स्तरीय मैराथन में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ चंद्र मोहन ने बताया कि नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों को नशा मुक्ति जागरूकता शपथ व नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। इस मौके पर डॉ. हवासिंह, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. विजय दीप गौड़, डॉ. प्रवीण गौरिया आदि मौजूद रहे।

राव नेतराम स्कूल में खो-खो प्रतियोगिता शुरू

मंडी अटेली। राव नेतराम पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर 15 खो-खो प्रतियोगिता के दूसरे दिन का शुभारंभ भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस महाकुंभ में हरियाणा के 12 जिलों से आए खिलाड़ी अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें छात्राओं के शानदार प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल विद्यार्थी के जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं। उन्होंने हरियाणा के खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि वे ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में देश के कुल पदकों में 40 प्रतिशत से अधिक योगदान देकर प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। 142 करोड़ की आबादी वाले देश में असली खेल प्रतिभाएं गांवों से ही निकलती हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पुरजोर प्रयास कर रही है।कार्यक्रम के अंत में सांसद ने स्कूल प्रबंधन चेयरमैन और कोच के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यहां तैयार होने वाले खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगे।

भाजपा युवा मोर्चा ने किया छात्रों से संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। छात्रों से संवाद करते पार्षद सिकंदर कुमार। फोटो : हरिभूमि

भारतीय जनता युवा मोर्चा हरियाणा प्रदेश की ओर से पेपर लीक विवाद को लेकर छात्रों से सीधे संवाद स्थापित करने के लिए जिला संयोजक का दायित्व दिया गया। जिसके अंतर्गत राजकीय कॉलेज में छात्रों से पेपर लीक पर संवाद किया। नगर पार्षद सिकन्दर कुमार व प्रदेश आईटी सहप्रमुख (युवा मोर्चा भाजपा) ने छात्रों से बातचीत के दौरान उन्हें बताया कि भाजपा सरकार ने नीट पेपर लीक होने के बाद मात्र एक महीने के अंदर परीक्षा आयोजित की गई। पेपर लीक के सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कांग्रेस सरकार में पेपर लीक के आरोपितों पर केवल विश्वासघात व धोखाधड़ी का केस दर्ज किया जाता था, लेकिन भाजपा सरकार ने 2024 में पेपर लीक पर कड़ा कानून बनाया, जिसमें पांच से 10 साल की सजा और एक करोड़ का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया था, अब वर्तमान में 10 साल की सजा और 10 करोड़ का जुर्माना लगाने का कड़ा प्रावधान किया गया है। मोदी सरकार ने फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन करके तीन महीने के अंदर फैसला सुनाए जाने का फैसला लिया है। कांग्रेस सरकार में 51348 एमबीबीएस की सीट व 387 मेडिकल कॉलेज थे, वर्तमान में भाजपा सरकार में 136939 एमबीबीएस सीट और 823 मेडिकल कॉलेज हैं।

नंगली स्कूल में पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नारनौल। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से शनिवार को वेद प्रचार मंडल महेंद्रगढ़ एवं आर्य समाज नांगल चौधरी के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय मिडिल स्कूल, इकबालपुर नंगली परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के मुख्याध्यापक रणबीर सिंह आर्य के नेतृत्व में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया तथा पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। वेद प्रचार मंडल के जिला प्रधान धर्मवीर आर्य के दिशा-निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में आर्य समाज नांगल चौधरी के प्रधान राधेश्याम आर्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में दलीप थानेदार, रामसिंह सरपंच, रामौतार सेका, कर्णसिंह प्रवक्ता, सहीराम, राजेश, मास्टर राजकुमार, डॉ. रतिराम, डॉ. अमर सिंह महरानियां, मास्टर सुरेंद्र सिंह, पुष्पा, बबीता (पीटीआई), मोनिका, अश्वनी सहित विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

श्याम बाबा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

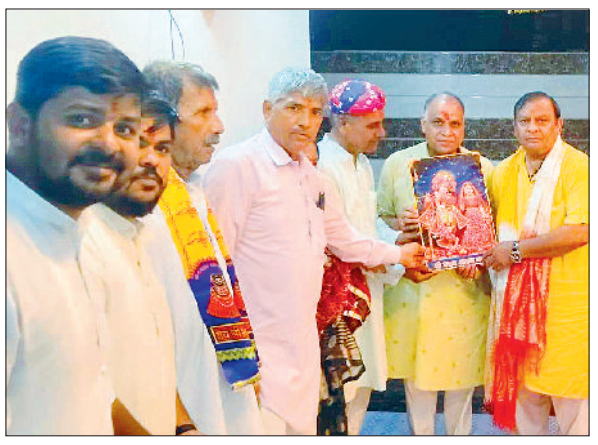
नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्री श्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में शुक्रवार रात हुडा सेक्टर में जागरण किया गया। जिसमें मुख्य यजमान हरिओम शर्मा व उनका परिवार रहा। अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। सुधांशु शर्मा ने बाबा का भव्य दरबार रंग-बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। आचार्य अजय शर्मा ने यजमान हरिओम शर्मा, पत्नी आरती शर्मा से परिवार सहित बाबा की पवित्र ज्योति प्रज्वलित करवाई। मास्टर सुनील कुमार ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रवीण पटीकरा ने खाटू के श्याम जी रखोंगे मेरी लाज, संतोष सैनी ने श्रृंगार तेरा बाबा कहो किसने सजाया है, पवन अरोड़ा ने मोर छड़ी लहराई रे, सतबीर बड़गांव ने इक बार मेरे घर आ जा रे सांवरा भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस मौके पर विनोद राव, अनिल लखखा, मनोज वालिया, हेमंत गुप्ता, बलवान जांगिड़, निशांत शर्मा, राधेश्याम सैनी, नीना, मीना, डॉ. विजय अग्रवाल, अजय गुप्ता, मनमोहन शर्मा, राजेश शर्मा, सुमन यादव, नीतू, राजेन्द्र यादव, आदि उपस्थित रहे।

जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक कल

नारनौल। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल 27 जुलाई को सायं चार बजे लघु सचिवालय के नजदीक सभागार में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। इसमें पहले से निर्धारित 12 मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी महेंद्रगढ़ के दो, कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद नारनौल के तीन, पुलिस अधीक्षक के दो, नगर पालिका सचिव कनीना का एक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी के दो, लोक निर्माण विभाग का एक, जन स्वास्थ्य एवं अभियंता की विभाग का एक मामला सुनवाई के लिए रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि गांव मालड़ा सराय के महेंद्र सिंह, गोपाल सिंह व अन्य निवासीगण, मोहल्ला पुरानी मंडी नारनौल के अमर सिंह, हुडा सेक्टर एक के आरडब्ल्यूए एवं समस्त निवासीगण, ढाणी कोजिंदा के भगवाना राम सैनी आदि शामिल रहेंगे।

78वें जन्मदिवस पर समाजसेवी कृष्ण अवतार जांगिड़ सम्मानित

नारनौल। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी कृष्ण अवतार जांगिड़ के 78वें जन्मदिवस पर शनिवार को किल रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में वरिष्ठ नागरिक संगठन नारनौल और नर नारायण सेवा समिति की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल ओढ़ाकर व सम्मान चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा ने कहा कि कृष्ण अवतार जांगिड़ विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहकर लंबे समय से समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण और पक्षियों के संरक्षण के कार्यों में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने जन्मदिवस पर नेत्रहीन कन्या विद्यालय की छात्राओं व स्टाफ तथा दोनों संस्थाओं के सदस्यों के लिए प्रीतिभोज का भी आयोजन किया। समारोह में रामसिंह मधुर, बेगराज गोयल, धर्मचंद छाबड़ा, ओ.पी. यादव, बद्रीप्रसाद गर्ग, रामजीलाल मित्तल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने कृष्ण अवतार जांगिड़ को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

जोधपुर-दिल्ली ट्रेन का ऋषिकेश तक विस्तार सात साल से अटका , यात्री परेशान

यह ट्रेन जोधपुर से शाम 6:30 बजे रवाना होकर अगले दिन प्रातः 5:20 बजे पहुंचती है दिल्ली सराय रोहिल्ला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। महेंद्रगढ़ स्टेशन पर ठहराव करती रेलगाड़ी। फोटो : हरिभूमि

सुजानगढ़, रतनगढ़, चूरू, सादुलपुर, लोहारू, महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी क्षेत्र के लाखों यात्रियों को जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला ट्रेन संख्या 22481-22482 का लाभ मिलने की उम्मीद है। जोधपुर सुपरफास्ट दिल्ली गाड़ी का विस्तार ऋषिकेश तक होने की पूरी संभावना है और यह प्रस्ताव 2019 में स्वीकृत हो चुका था, परंतु सात साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अटका पड़ा है। लगातार सात सालों से रेलवे समय सारणी में कई बार पास हो चुकी यह रेलगाड़ी न जाने किन कारणों के चलते ऋषिकेश तक विस्तारित नहीं हो पाई है। सात साल से अटका पड़ा है जोधपुर-दिल्ली-सरायरोहिल्ला रेलगाड़ी का ऋषिकेश तक विस्तार, लेकिन स्थानीय विधायक व सांसद का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। वर्तमान में यह ट्रेन जोधपुर से शाम 6:30 बजे रवाना होकर अगले दिन प्रातः 5:20 बजे दिल्ली सरायरोहिल्ला पहुंचती है। वापसी में ट्रेन संख्या 22482 दिल्ली से रात्रि 11:00 बजे रवाना होकर सुबह 10:00 बजे जोधपुर पहुंचती है। यह ट्रेन दिल्ली में करीब 17 घंटे खड़ी रहती है। यदि इस समय का उपयोग हरिद्वार-ऋषिकेश तक विस्तार में किया जाए तो यह ट्रेन आम जनता और यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2014 से 2017 तक साप्ताहिक बीकानेर से हरिद्वार वाया महेंद्रगढ़ स्पेशन रेलगाड़ी चलाई गई थी। आमदनी भी अधिक थी। न जाने किन कारणों के चलते इस रेलगाड़ी का बंद कर दिया गया।

तीर्थ यात्रियों को रेल सुविधा

अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि इस मार्ग पर सुजानगढ़ के पास सालासर बालाजी मंदिर और लाडनूं में आचार्य तुलसी की जन्मस्थली व जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय स्थित है। इसके बावजूद महेंद्रगढ़ से तीर्थ स्थानों के लिए कोई सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। अस्थियां विसर्जित करने व धार्मिक यात्रा हेतु हरिद्वार-ऋषिकेश जाने वाले लोगों को इससे बड़ी सुविधा मिलेगी। रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे व उत्तर पश्चिम रेलवे ने 2019 से 2022 की समय सारणी में इसे मंजूरी दी थी, लेकिन राजनेताओं की उदासीनता से जनता लाभ से वंचित है। यदि इस रेलगाड़ी का विस्तार शीघ्र नहीं किया गया तो दैनिक रेलयात्री व सामाजिक संगठनों द्वारा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

नारनौल। पूर्व शिक्षामंत्री के जन्मदिन पर हवन करते हुए।

पूर्व शिक्षामंत्री के जन्मदिन पर किया हवन

नारनौल। श्री जिला गौड़ ब्राह्मण सभा में पूर्व शिक्षामंत्री एवं पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष प्रो. रामबिलास शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर हवन किया गया। हवन पंडित सुनील शास्त्री दुबलाना ने वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ संपन्न कराया। हवन के दौरान प्रो. रामबिलास शर्मा के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना करते हुए आहुति दी गई। इस मौके पर जिला गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश महता, पूर्व प्रधान अर्जुनलाल शर्मा एडवोकेट, सचिव कृष्ण कुमार शर्मा ठेकेदार, कार्यकारिणी सदस्य विजय गोस्वामी, अमित पांडे, सुरेश शर्मा, मदनलाल शर्मा एडवोकेट, कॉलेजियम सदस्य गोपाल कृष्ण शांडिल्य, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मामचंद शर्मा, दयाकिशन शांडिल्य, धीरज गौतम, भागीरथ शर्मा आदि उपस्थित रहे।

युवा शक्ति फाउंडेशन ने पेश की मानवता की मिसाल

नारनौल। सामाजिक सरोकारों के लिए समर्पित युवा शक्ति फाउंडेशन सेका ने अपनी गुप्त कन्यादान मुहिम के तहत एक और जरूरतमंद परिवार की बेटी का सम्मानपूर्वक कन्यादान संपन्न करवाया। इस पुनीत कार्य में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी अपनी मेहनत की कमाई से गुप्त रूप से सहयोग देकर मानवता की मिसाल पेश की। इस सेवा कार्य में जेई राकेश, जेई त्रिभुवन, जेई सतबीर, लाइनमैन ललित, प्रदीप कुमार, राजकुमार सहित युवा शक्ति फाउंडेशन सेका के सभी सदस्यों ने बिना किसी प्रचार-प्रसार के आर्थिक सहयोग दिया। वहीं श्री श्याम डेकोरेशन डूमडोली से अजीत कुमार, कनीना से नीरज यादव व रवि कुमार आदि मौजूद रहे।

आत्मचिंतन व संयम का दिया संदेश

नारनौल। श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नलापुर में शनिवार को धर्म सभा का आयोजन किया गया। प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि मुनि विमोर सागर महाराज, सानंद सागर महाराज, महंत सागर महाराज के प्रवचन दिए। जिन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मुनि महंत सागर महाराज ने कहा अपना कर्म करो, बाकी भगवान पर छोड़ दो, इसके अलावा उन्होंने आत्मचिंतन, संयम व सकारात्मक दृष्टिकोण का संदेश दिया।

स्व. मित्तल की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आज

महेंद्रगढ़। समाजसेवी स्वर्गीय नीरज मित्तल की पुण्यतिथि के अवसर पर तीसरा रक्तदान शिविर रविवार, 26 जुलाई को रेलवे रोड स्थित मंगतूराम महाशय जी की धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। शिविर के प्रबंधक संजय मित्तल एवं हर्षित मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा कला परिषद के वाइस चेयरमैन महेश जोशी होंगे।

खबर संक्षेप

गोसेवा कर मनाया पूर्व शिक्षामंत्री का जन्मदिन

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव के जनसंपर्क अधिकारी राजेश यादव ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा का जन्मदिन गोसेवा कर मनाया। इस अवसर पर राजेश यादव ने गोसेवा करते हुए भगवान से प्रो. शर्मा के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रो. रामबिलास शर्मा हरियाणा भाजपा के मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने भाजपा को गांव-गांव, गली-गली और मोहल्ले-मोहल्ले तक पहुंचाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। राजेश यादव ने कहा कि प्रो. रामबिलास शर्मा का मार्गदर्शन सदैव संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के हित में रहा है। उन्होंने कहा कि प्रो. शर्मा अत्यंत सरल, मिलनसार, उच्च विचारों वाले व जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व हैं, जो सदैव समाज के उत्थान और समृद्धि की सोच रखते हैं। अंत में राजेश यादव ने भगवान से प्रार्थना की कि प्रो. रामबिलास शर्मा शीघ्र पूर्ण स्वस्थ हों तथा लंबे समय तक समाज और संगठन का मार्गदर्शन करते रहे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को सौंपा ज्ञापन

सतनाली को उपमंडल का दर्जा देने व सिटी फीडर बहाल करने की मांग

सतनाली को उपमंडल का दर्जा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

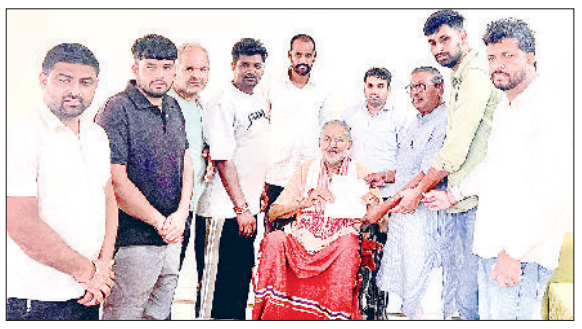

सतनाली मंडी। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को ज्ञापन सौंपते प्रतिनिधि मंडल सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

सतनाली सहित क्षेत्रवासियों ने पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को ज्ञापन सौंपकर सतनाली को उपमंडल का दर्जा देने व सतनाली को जगमग योजना से हटाकर पुनः सिटी फीडर बहाल करने की मांग की। अजय मोनू शेखावत श्यामपुरा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि सतनाली कस्बे को कुछ वर्ष पूर्व सिटी फीडर से हटाकर जगमग योजना में शामिल किया गया था। वर्तमान में सतनाली कस्बे में बार-बार बिजली कटौती, लंबे समय तक फॉल्ट के नाम पर आपूर्ति बाधित रहना तथा रखरखाव कार्य के नाम पर लगातार पावर कट लगना आम बात हो गई है। इस अव्यवस्थित विद्युत आपूर्ति का सबसे अधिक दुष्प्रभाव कस्बे के व्यापार, छोटे उद्योगों एवं आम नागरिकों पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि बिजली आधारित कार्य प्रभावित होने से दुकानदारों और छोटे उद्यमियों की आजीविका संकट में है। अनेक दुकानदारों के लिए किराये की दुकानों का किराया निकालना भी कठिन होता जा रहा है।

विद्यार्थियों की पढ़ाई, घरेलू कार्य तथा दैनिक जीवन भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। अतः सतनाली कस्बे को पुनः सिटी फीडर से जोड़ा जाए अथवा ऐसी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे कस्बेवासियों को नियमित एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध हो सके। इसके अलावा सतनाली को उपमंडल का दर्जा दिए जाने की मांग के ज्ञापन में बताया कि सतनाली कस्बा एवं क्षेत्रवासी लंबे समय से सतनाली को उपमंडल (सब डिविजन) का दर्जा दिए जाने की मांग कर रहा है। वर्तमान समय में सतनाली क्षेत्र की जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति तथा प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए इसे उपमंडल बनाया जाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। सतनाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांवों के नागरिकों को एसडीएम कार्यालय एवं अन्य उपमंडलीय कार्यों के लिए महेंद्रगढ़ अथवा अन्य स्थानों पर लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे आमजन का समय, धन एवं श्रम तीनों का अनावश्यक व्यय होता है। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों, विद्यार्थियों एवं किसानों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

भौगोलिक दृष्टि से क्षेत्र का एक प्रमुख केंद्र सतनाली

सतनाली भौगोलिक दृष्टि से क्षेत्र का एक प्रमुख केंद्र है। यहां रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बैंक, शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य अनेक सरकारी कार्यालय पहले से संचालित हैं। क्षेत्र के अधिकांश गांवों की पहुंच भी सतनाली तक सरल एवं सुविधाजनक है। ऐसे में उपमंडल कार्यालय की स्थापना से प्रशासनिक सेवाएं आमजन के अधिक निकट पहुंचेंगी तथा सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अजय मोनू शेखावत, दिग्विजय सिंह, बिनू, प्रिंस वालिया, प्रवीण अग्रवाल, झिंडू जांगड़ा, धर्मेन्द्र श्यामपुरा, सोनू शेखावत, नरेन्द्र सिंह, मनोज सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

एसडी स्कूल ककराला में स्पर्धा का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। खेलों में प्रतिभा का प्रदर्शन करते खिलाड़ी। *फोटो : हरिभूमि*

एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में शनिवार को जिला स्तरीय एसजीएफआई कुश्ती व भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव व निदेशक ओमप्रकाश यादव ने किया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता का समापन 26 जुलाई को होगा। जिसमें लगभग 280 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। खेलों के शुभारंभ अवसर पर राजेन्द्र यादव, कुलदीप डीपीई, मनोज डीपीई, प्रीति, जयभगवान, अनिल सतनाली, सोनू, प्रदीप, उदम सिंह व उपप्राचार्य पूर्णसिंह उपस्थित थे। पूर्ण सिंह ने कहा कि खेल को हमेशा खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेल मैदान में हुई गलतियों से सबक लेते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होने बताया कि भारोत्तोलन 20 किग्रा भारवर्ग में जयवर्धन प्रथम, कार्तिक द्वितीय, दोनों एसडी स्कूल खेड़ी रहे। 22 किग्रा भारवर्ग में नक्ष एसडी खेड़ी ने प्रथम व दक्ष एसडी स्कूल ककराला ने द्वितीय स्थान हासिल किया। 24 किग्रा भारवर्ग में रितिक ब्रिलिएंट धनौंदा प्रथम, हर्षित एसडी स्कूल खेड़ी द्वितीय रहे। कुश्ती 30 किग्रा भारवर्ग में रितिक एसडी खेड़ी प्रथम, 36 किग्रा भारवर्ग में श्रेयान पीआरएस सतनाली प्रथम, नवनीत एसडी स्कूल ककराला द्वितीय रहा।

खेलों में गैलेक्सी का जतिन 1500 मीटर दौड़ में प्रथम

महेंद्रगढ़। हाल ही में 20 से 23 जुलाई तक चली खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में गैलेक्सी स्कूल के बवानिया के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। आयु वर्ग अंडर-19 में गैलेक्सी स्कूल के 12वीं कक्षा

का विद्यार्थी जतिन पुत्र लक्खीराम निवासी स्याणा ने 1500 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया। स्कूल पहुंचने पर छात्र जतिन तथा कोच भरत शर्मा का फूल मालाओं के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। चेयरमैन दरियाव सिंह, प्राचार्य करन सिंह तथा समस्त स्टाफ द्वारा जतिन तथा कोच भरत शर्मा को माला पहनाकर, प्रस्तुति पत्र देकर तथा मेडल देकर सम्मानित किया।

राव रामचन्द्र स्कूल में हुई कहानी सुनाओ प्रतियोगिता

कनीना। राव रामचन्द्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल में हुई कहानी सुनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई।। यह प्रतियोगिता अंतर सदनीय हुई, जिसमें तीसरी से पांचवीं तक के सभी सदनों के चार-चार प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी प्रतिभा दिखाई। बच्चों ने कछुए व खरगोश, लालची लोमड़ी, सच्चाई सबसे बड़ी दौलत है, ईमानदारी, सच्चा दोस्त इस माध्यम से बहुत अच्छे सकारात्मक सोच दर्शाई। इस प्रतियोगिता में शिवालिक सदन से मुदित और जानवी सामूहिक प्रथम व द्वितीय रहे अरावली से अवनी तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में गतिविधि इंचार्ज शीतल यादव ने बताया कि नीलगिरी सदन की प्रभारी सरिता, अरावली सदन की प्रभारी नेहा, हिमालय सदन की प्रभारी मनीषा व शिवालिक सदन की प्रभारी पूजा ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर संस्था चेयरमैन रोशनलाल ने विजेता बच्चों को बधाई दी। प्राचार्य हरिप्रकाश ने भी सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सूरज स्कूल के विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिता में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते खिलाड़ी।

सूरज स्कूल के 30 अधिक विद्यार्थियों ने स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ब्लॉक स्तरीय विभिन्न खेल प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त की। विद्यालय निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि सन्नी ने हाई जम्प, मोहित ने 100 मीटर दौड़ डिम्पी ने भाला फेंक, हिमांशु, अविनाश, भारत व मोहित ने 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की रिले रेस तथा भावेश, निशांत, देवेश व मयंक ने 14 वर्ष से कम आयु वर्ग की रिले रेस में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 100 मीटर और 3000 मीटर रेस में हिमांशु, 200 मीटर रेस में मोहित, लंम्बी कूद में भावेश, कबड्डी में सूरज, अमन की टीम ने विजय का परचम लहराया। ये सभी विद्यार्थी 25 जुलाई से तीन अगस्त के बीच जिले के प्रमुख स्कूलों और खेल स्टेडियम में होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगें। विद्यालय निदेशक संदीप प्रसाद ने सभी विजेताओं व उनकें खेल प्रशिक्षकों जितेन्द्र, राकेश, अंकित आदि को इस सफलता पर बधाई दी और कहा कि जीवन में खेलों का भी पढाई के समान ही महत्व है।विद्यार्थी खेलों में भी अपना सुनहरा भविष्य बना सकतें है। विद्यालय में सभी खेलो के समुचित संसाधन व प्रशिक्षण उपलब्ध है। विद्यालय प्राचार्य सहित समस्त अध्यापकों ने भी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को सराहा और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में हुई गणित क्विज प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुरजनवास में विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि, तार्किक सोच एवं समस्या समाधान कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अंतर-सदनीय गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का सफल संचालन गणित प्रवक्ता अजीत जांगड़ा व गौतम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विद्यालय प्राचार्य रामबीर यादव ने कहा कि गणित केवल अंकों का विषय नहीं, बल्कि जीवन में सही निर्णय लेने, तार्किक सोच विकसित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। चेयरमैन रूपराम यादव ने कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक प्रतियोगिता विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा नवाचार की भावना का विकास करती हैं। मैनेजिंग डायरेक्टर राजकुमार यादव ने कहा कि वर्तमान समय में गणित और तार्किक क्षमता प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा तथा आधुनिक तकनीकी क्षेत्र की आधारशिला है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। संपूर्ण प्रतियोगिता उत्साह, अनुशासन और ज्ञानवर्धक वातावरण के बीच संपन्न हुई।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल में जिला स्तरीय खेलों का प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। खिलाड़ियों के साथ स्कूल स्टाफ। *फोटो : हरिभूमि*

गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद में जिला स्तरीय नेटबाल, फेंसिंग खेलों का प्रारंभ हुआ। प्रथम दिन अंडर 14, अंडर 17, अंडर 19 ग्रुप के केवल लड़कियों के टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का प्रारंभ संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने ने किया। उन्होंने बच्चों को शपथ दिलवाते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। मैदान में दो टीमें होती हैं, जिसमें विजय केवल एक को ही मिलती है। आज अंडर 14 वर्ग में श्रीराम शिक्षा निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बास किरारोद उमराबाद की टीम ने गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद की टीम को पराजित किया। अंडर-17 वर्ग में गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद की टीम ने श्रीराम शिक्षा निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बास किरारोद उमराबाद की टीम को करारी शिकस्त देकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया। अंडर-19 वर्ग में माता मरियम जन सेवा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नसीरपुर की टीम ने गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की टीम को पराजित किया। लड़कियों की फेंसिंग प्रतियोगिता में अंडर 14, अंडर-19, अंडर 17 के तीनों वर्ग में गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद के बच्चों ने राज्य स्तरीय टूर्नामेंट खेलने के लिए क्वालीफाई किया। प्राचार्य नेतराम सैनी ने विजय टीम के बच्चों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विद्यालय की एचडी पूजन सैनी, वाइस चेयरमैन कुलदीप, लीलाराम डीपी, सुशीला, सरोज, मुकेश कुमार, रामस्वरूप, संतराम, मनोज कुमार, पृथ्वी सिंह, नरेश ढिल्लो, कृष्ण कुमार, धर्मपाल, मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

भाजपा-कांग्रेस ने युवाओं के भविष्य से किया खिलवाड़ः दुष्यंत चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते दुष्यंत चौटाला।

जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शनिवार को नांगल चौधरी की जाट धर्मशाला में आयोजित बीएलए-2 प्रभारियों की बैठक में कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर युवाओं, किसानों तथा आम जनता के मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जिले में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने बीएलए-2 प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं के नामों का मिलान करें और पात्र लोगों के वोट दोबारा जुड़वाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि एक भी जायज वोट कटने नहीं दिया जाएगा।

जजपा प्रदेश अध्यक्ष बिरज शर्मा ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी ने संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशानिर्देश दिए। बैठक को पूर्व विधायक रमेश खटक, प्रदेश कार्यालय सचिव रविंद्र सांगवान, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राव ओमप्रकाश इंजीनियर, जिला प्रधान राजकुमार खातोद आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर अमर सिंह ब्रह्मचारी, महेन्द्र बड़ेसरा, अभिमन्यु राव, सुरेश शास्त्री, जिला प्रवक्ता विजय छिलरो, रामकुमार आदि मौजूद थे।

चयनित विद्यार्थियों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सम्मानित होने वाले विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा स्कूली शिक्षा विभाग के तहत नांगल चौधरी ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ियों को स्कूल में आयोजित प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में लड़कियों की अंडर-17 खो-खो टीम, लड़कियों की अंडर-14 खो-खो टीम तथा लड़कों की अंडर-14 खो-खो टीम ने ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर जिला स्तर के लिए चयनित होने का गौरव प्राप्त किया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में अंडर-14 की 400 मीटर दौड़ में रिषव, शॉटपुट में मनन, 100 मीटर दौड़ में दीपिका ने प्रथम स्थान हासिल किया। अंडर-14 रिले दौड़ में निशा, दीपिका, मुस्कान और अंतिम की टीम ने प्रथम, 400 मीटर दौड़ में पलक, 400 मीटर रिले रेस में भविष्य, मंजीत, हर्ष व राज्य वर्धन ने प्रथम स्थान हासिल कर जिला स्तर के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। इसके अलावा अंडर-17 हाई जम्प में शिवानी, लोंग जम्प में दीपेन्द्र तथा ट्रिपल जम्प में देवेश ने प्रथम स्थान हासिल किया।

प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक प्रथम स्थान हासिल किए हैं। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने बताया कि खिलाड़ियों की सफलता उनके अनुशासन, निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है।

खबर संक्षेप

खंड स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान

महेन्द्रगढ़। मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल चामधेड़ा रोड में शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन कर खंड स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय चेयरमैन सतन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने की। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने बताया कि खंड स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय के 15 छात्राओं और 14 छात्रों ने विभिन्न स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। समारोह के दौरान 15 जुलाई को आयोजित मॉडर्न फाउंडेशन टेस्ट में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों का विकास भी जीवन में सफलता के लिए आवश्यक है।

हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल में हुई विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

मंडी अटेली। हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी ज्ञान क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्राचार्य अनूप द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं प्रतियोगिता को चार चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें न्यूटन हाउस, ऑस्टिन हाउस, कलाम हाउस और आइंस्टीन हाउस के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी चरणों में सामान्य विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान से संबंधित रोचक और चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने त्वरित उत्तर देकर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का परिचय दिया जिससे प्रतियोगिता का माहौल बेहद रोमांचक बना रहा। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद न्यूटन हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं स्कूल निदेशक राकेश कुमार ने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन में विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

एसडी स्कूल ककराला में हुई खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता

खंड स्तर पर मॉडर्न स्कूल के खिलाड़ियों का दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता 20 से 23 जुलाई तक एसडी स्कूल ककराला में आयोजित करवाई गई। इन खंड स्तरीय प्रतियोगिता के विभिन्न खेलों में मॉडर्न स्कूल के विद्यार्थियों ने 39 स्थान प्राप्त किए। लड़कियों की अंडर-19 लंबी कूद में नेहा पुत्री बिजेंद्र ने प्रथम स्थान, अंडर-19 की ऊंची कूद में आरती पुत्री विक्रम ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कों की अंडर 17, 1500 व 3000 मीटर दौड़ में जतिन पुत्र विकास ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की अंडर (17) 400 मीटर दौड़ में अंशु पुत्री नरेश कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कियों ने अंडर 17 रिले दौड़ में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार अंडर 14 लड़कों की लंबी कूद में कार्तिक पुत्र सुरेंद्र ने प्रथम स्थान, डिस्कस थ्रो में सन्नी पुत्र विनोद ने प्रथम स्थान, 100 मीटर दौड़ में प्रियांशु पुत्र मामन ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 11 की लड़कियों की 400 मीटर दौड़ में अंशिका पुत्री धर्मवीर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ये रहे विजेता

अंडर 17 लड़कों की शॉट पुट व डिस्कस थ्रो में जीवितेश पुत्र हवा सिंह ने दूसरा स्थान, लड़कियों की अंडर 17 शॉट पुट प्रतियोगिता में भावना पुत्री धर्मेंद्र ने दूसरा स्थान, जैवलिन थ्रो में करिश्ता पुत्री राजीव ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 लड़कों की ऊंची कूद में समर पुत्र मनोज ने दूसरा स्थान, 200 मीटर दौड़ में प्रियांशु पुत्र मामन ने दूसरा स्थान, लड़कियों की अंडर 14 डिस्कस थ्रो में खुशी पुत्री देवेंद्र ने दूसरा स्थान व 400 मीटर दौड़ में हिमानी पुत्री धर्मवीर ने भी दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार अंडर 14 लड़कियों की खो-खो टीम ने भी दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की अंडर 11 टीम ने रस्सा कस्सी व खो-खो में दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की अंडर (11) 100 मीटर दौड़ में गुंजन पुत्री संदीप ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों की अंडर-19 जैवलिन थ्रो में अविनाश पुत्र बाबूलाल तीसरा स्थान, हाई जंप में देवेन पुत्र श्री ज्ञानेंद्र ने तीसरा स्थान, डिसकस थ्रो में हर्ष पुत्र रामचंद्र ने तीसरा स्थान, लड़कियों की अंडर-19 डिस्कस थ्रो में नेहा पुत्री बिजेंद्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 17 लड़कों की ऊंची कूद में हिमांशु पुत्र भूप सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 लड़कों की लंबी कूद में प्रियांशु पुत्र मामन ने तीसरा स्थान, डिस्कस थ्रो में किन्सुख पुत्र देवेंद्र ने तीसरा स्थान लड़कियों की अंडर 14 शॉट पुट में तन्वी पुत्र आयुष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में सीएल स्कूल के विद्यार्थी अव्वल

नारनौल। एसजीएफआई की ओर से आयोजित खंड स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में गांव हमीदपुर में आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्र के सभी मान्यता प्राप्त स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें हुडा स्थित सीएल पब्लिक स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में शीर्ष स्थान हासिल किया और विद्यालय का नाम रोशन किया। जिसमें अंडर-19 डीस्कस थ्रो व शॉटपुट में प्रिया ने प्रथम, पांच किलोमीटर रेस में कोमल ने तृतीय, अंडर-14 वर्ग 400 मीटर रेस व 800 मीटर बाधा दौड़ में लक्षिता ने प्रथम, 110 मीटर रेस में निवीया द्वितीय, अंडर-11 गोला फेक प्रतियोगिता में श्रष्टि ने प्रथम, अंडर-11 शॉटपुट में अरमान ने द्वितीय, अंडर-14 400 मीटर रेस में रोहन द्वितीय, हाई जम्प में नकुल प्रथम, अर्जुन द्वितीय, शॉटपुट पीयूष प्रथम, बाधा दौड़ में अर्जुन द्वितीय, अंडर-17 डीस्कस थ्रो व शॉटपुट में विकास द्वितीय, 1600 मीटर रीले रेस में द्वितीय, हाई जम्प में गोविंद द्वितीय रहे।

MODERN SR.SEC. SCHOOL
Gomla Road Bhojawas CBSE Affiliated (Aff.No 530801) school code-40777

Special Coaching for
Sainik School | Military School | CLAT
Navodaya School | MNSS Rai | NEET, JEE
CA Foundation | Foundation Classes for NDA Special

कारगिल दिवस पर मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जांबाज वीर सैनिकों को हम शत-शत नमन करते हैं। उनके द्वारा दी गई शहादत को हम भुला नहीं सकते हैं। उन वीर सेनानियों के द्वारा दी गई शहादत महर्षि दधीचि द्वारा दिए गई शहादत से कम नहीं है।

✔ 12 Selections in Rai sports School Sonipat ✔ 17 Selections in Navodaya
✔ 10 Selections in MBBS ✔ 2 selections in BAMS ✔ 82 students All India Sainik School Entrance Exam qualifier ✔ 12 students JEE Mains qualifiers ✔ 3 students JEE Advance qualifiers
✔ 1 selection in veterinary ✔ 2 selections in BSc nursing ✔ 1 student qualify in slat
✔ 1 student qualify in clat ✔ 3 students CA Foundation qualifiers

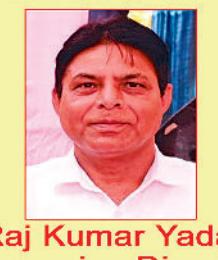
Raj Kumar Yadav
Managing Director

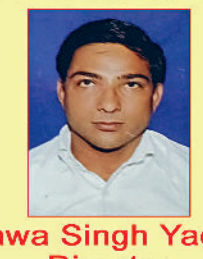
Hawa Singh Yadav
Director

Amarjeet Yadav
Chairman

Ph. 01285-244044, 9991336515

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा झण्डा ऊंचा रहे हमारा ॥

महेंद्रगढ़-नारनौल विशेषांक

इस वर्ष पूरा देश 26वां कारगिल विजय दिवस मनाने के लिए एकजुट है। यह दिन भारत के इतिहास में गौरव की किरण की तरह चमकता है। यह 1999 की उस शानदार विजय का प्रतीक है जब हमारे सैनिकों ने बर्फ से ढकी चोटियों और दुश्मन की लगातार गोलाबारी का सामना करते हुए, बेजोड़ साहस और अटूट संकल्प के साथ कारगिल की चोटियों पर पुनः विजय हासिल की थी। 26 जुलाई को, लद्दाख की दुर्गम पहाड़ियों पर तिरंगा एक बार फिर शान से लहराया, जो बलिदान, वीरता और अटूट राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है।

यह वर्षगांठ केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है, बल्कि यह उस धैर्य और एकता की एक प्रेरक याद दिलाता है जो भारत को परिभाषित करता है। यह उन वीरों को सलाम है जिन्होंने दुर्लभ हवा और बर्फीली हवाओं में लड़ाई लड़ी और हर चोटियों को अपनी बहादुरी का प्रमाण बना दिया।

कारगिल युद्ध के रूप में जाना जाने वाला संघर्ष मई 1999 में शुरू हुआ जब घुसपैठियों ने चुपके से नियंत्रण रेखा पार कर ली और ऊंची चोटियों पर भारतीय चौकियों पर कब्जा कर लिया। उनका नापाक मकसद श्रीनगर को लेह से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण राजमार्ग 1ए को काटना था। लेकिन उन्होंने एक राष्ट्र की इच्छाशक्ति को कम करके आंका। भारत ने ऑपरेशन विजय के साथ जवाब दिया, जो एक ऐसा मिशन था जिसमें सावधानीपूर्वक योजना, दृढ़ संकल्प और उसके सैनिकों की अदम्य भावना का मिश्रण था।

कारगिल विजय दिवस केवल स्मरण का अवसर नहीं है। यह मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वालों की विरासत का सम्मान करने का संकल्प है। यह हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले साहस और बलिदान की भावना को जीवित रखने का एक सतत आह्वान है। आज, जब हम 1999 के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, हम "एक शाश्वत सत्य भारत की एकता और संप्रभुता सदैव अक्षुण्ण रहेगी की पुष्टि करते हैं।

1999 की गर्मियों में, जब पूरा भारत भीषण गर्मी से जूझ रहा था, बर्फीले हिमालय की ऊंचाइयों पर एक अलग ही युद्ध छिड़ा हुआ था। यह कोई विशाल रेगिस्तान या हरे-भरे मैदानों में लड़ा जाने वाला युद्ध नहीं था, बल्कि उन नुकीली चोटियों पर लड़ा जा रहा था जहां ऑक्सीजन की कमी थी, तापमान असहनीय था और जमीन का एक-एक इंच हिस्सा खून की कीमत पर हासिल किया जा रहा था। यह कारगिल युद्ध था, एक सैन्य अभियान से कहीं ज्यादा, यह विश्वास, दृढ़ता और बलिदान की परीक्षा थी। युद्ध के दौरान चार सैनिकों को भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र (पीवीसी) से सम्मानित किया गया। नौ सैनिकों को महाव. ीर चक्र (एमवीसी) से सम्मानित किया गया और 55 सैनिकों को वीर चक्र (वीसी से सम्मानित किया गया।

ARYA COLLEGE OF EDUCATION
Vill. Pall P.O. Bairawas Distt. Mahendergarh Haryana
Recognised by NCTE & IGU Meerpur Rewari

S.D.M. TEACHER TRAINING INSTITUTE
Vill. Dadhi Bana P.O. Adampur Dadhi, Distt. Charkhi Dadri Haryana
Recognised by NCTE & HBSE Bhiwani

B.Ed., JBT/BSTC
Admission Office
ALMA Computer Education
Ateli Road, Kanhawas Barrier (Alwar) Raj.
Office : 7230011704, Mob. 9729303114
Director : Kripal Singh

VIDHYA DEVI INTERNATIONAL SCHOOL
Near NH-11 Ateli By pass , Kanina Raod Ateli Mandi
CBSE Pattern School Code - 27704 | An English Medium Co-Educational School

बोर्ड परीक्षाओं में नं.1 रहने के बाद अब खेलों में भी नं. 1

Contact: 9416157378, 9466431925
www.vdisateli.in E-Mail: vdisateli@gmail.com

HINDUSTAN PUBLIC SCHOOL
TO BE CBSE Affiliated SCHOOL
Living to Learn .....
Learning to Live .....

Area's No.1
LIBRARY & LANGUAGE LABS
COMPUTER LABS
INTERACTIVE CLASSROOMS
MULTI-MEDIA SUPPORT
SCIENCE LABS

Hps Kids Play School
Living to Learn
LEARNING TO LIVE....

ब्लॉक लेवल गेम में प्रथम पोजीशन प्राप्त।

आपके एच.पी.एस. स्कूल में Expert Facult के द्वारा कोचिंग की संपूर्ण व्यवस्था है।

Beautiful Maintained Faculty
- Special Parental Care
- Heighly trained & motivated faculties Wi-Fi Campus
- Audio-Visual aided learning. • Well equipped laboratories
- Special coaching for NTSE, Science Olympiad, Board classes & remedial classes for weak students
- Excellent indoor & outdoor games facilities.
- School campus is covered with CCTV cameras.
- Special Coaching for Shooting, Archery & Skating

Special Coaching for Foundation & IIT/ NEET, Sainik School, Military School

For Suggestions & Enquiry
4th Mile Stone, Ateli-Kanina Road, Ateli, M/garh (Hr.)
PRINCIPAL : 8199885672, 8199885671, 8199885670
Chairman
Shamsher Singh
(ZILA PARSHAD)

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा ॥ झण्डा ऊंचा रहे हमारा ॥

वीर शहीदों को
शत-शत नमन...

डॉ. गजेसिंह चौपड़ा
प्रमुख समाजसेवी, नांगल चौधरी

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 26 जुलाई 2026

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल
अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

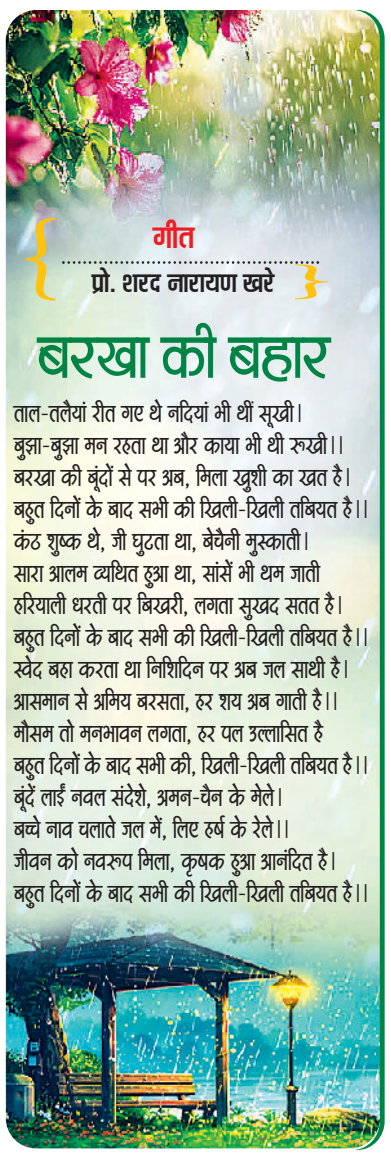

गीत
प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

मिनी और अन्य कहानियाँ
अवधेश प्रीत

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हरियाली से ढंकी वादियों वाला कुर्ग

कर्नाटक राज्य में स्थित कुर्ग, दक्षिण भारत का सबसे विख्यात मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशन है। जुलाई-अगस्त के महीने में यह स्थान कोहरे से ढंके कॉफी प्लांटेशनों, पानी से भरे झरनों और हरे-भरे जंगलों में तब्दील हो जाता है। इन्हीं महीनों में ही यहां कक्काडा का कोडव माह भी पड़ता है, जब बांस, जंगली मशरूम और मेडिसिनल यूज वाली मड्डु थोप्प पत्तियां, स्थानीय व्यंजनों का हिस्सा बन जाती हैं। आप यहां पहाड़ों में लॉन्ग ड्राइव करते हुए ऐबी फाल्स, राजा की सीट और दुबारे एलीफैंट कैंप पर रुक सकते हैं या प्लांटेशन स्टे में रहकर बारिश का आनंद ले सकते हैं। *

शांत-मनमोहक हिल स्टेशन भंडारदरा

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत हिल स्टेशन है भंडारदरा। यह सह्याद्री की पहाड़ियों में प्रवारा नदी के किनारे बसा हुआ है और अपने शानदार झरनों, प्राचीन किलों और हरी-भरी वादियों के लिए जाना जाता है। यह मुंबई से लगभग 185 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से गाड़ी द्वारा यहां पहुंचने में करीब 4 से 4.5 घंटे का समय लगता है। यहां के प्रमुख आकर्षणों में से एक विल्सन डैम, प्रवारा नदी पर बना भारत के सबसे पुराने बांधों में से एक है। बारिश के मौसम में विल्सन डैम से गिरता हुआ पानी बिल्कुल छतरी जैसा आकार बनाता है, इसीलिए इसे अंब्रेला फॉल कहते हैं। यहां स्थित रंधा फॉल को 'इंडियन नियाग्रा फॉल्स' भी कहा जाता है, जो एक गहरी खाई में लगभग 170 फीट की ऊंचाई से गिरता है। इस धुंध भरे मौसम में भंडारदरा में कैंपिंग का भरपूर आनंद ले सकते हैं। *

{ सीजनल ट्रैवलिंग / समीर चौधरी }

जुलाई-अगस्त के महीनों में जहां देश के अधिकांश हिस्से बारिश से सराबोर रहते हैं, वहीं कुछ खूबसूरत पर्यटन स्थल, इस मौसम में और भी मोहक और आकर्षक हो जाते हैं। कहीं फूलों की घाटियां खिल उठती हैं, तो कहीं झरने, जंगल, पहाड़ और धुंध पर्यटकों को शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। यहां देश के ऐसे ही कुछ शानदार मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशंस के बारे में बता रहे हैं।

मानसून में घुमक्कड़ी के लिए बेस्ट ये अमेजिंग ट्रैवल डेस्टिनेशंस

हिमालय की गोद में बसी फूलों की घाटी

जुलाई-अगस्त में उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित फूलों की घाटी, जो कि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में लिस्टेड है, भी खिलने लगती है। हजारों अल्पाइन फूल पश्चिम हिमालय की गोद में बसी इस वादी को रंगों के इंद्रधनुष में बदल देते हैं। यह खूबसूरत घाटी साल में सीमित समय (1 जून से 31 अक्टूबर) के लिए ही खुलती है क्योंकि यह अधिकतर समय बर्फ से ढंकी रहती है। फूलों की घाटी की सैर करते हुए आप हेमकुंड साहिब भी जा सकते हैं जो एक सिख धर्मावलंबियों का तीर्थ स्थल है और इसी मौसम में दर्शन के लिए खुलता है। *

सुंदर-मनमोहक लैंडस्केप तवांग

अरुणाचल प्रदेश में तवांग की यात्रा करने के लिए भी सबसे अच्छा महीना जुलाई-अगस्त ही है। ऊंचाई पर बसे इस शहर में तापमान ठंडा रहता है और हरे-भरे पहाड़ी लैंडस्केप आकर्षित करते हैं। सेला पास, माधुरी झील और बुम-ला का कुदरती सौंदर्य आप कभी नहीं भूल पाएंगे। अगर मौसम खराब न हो तो कुछ समय 17वीं शताब्दी में निर्मित तवांग मठ में भी अवश्य गुजारें। यह भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ है। इसके साथ ही यहां फूलों भरी घाटियां और घुमावदार ग्लेशियर झीलें भी दर्शनीय हैं। *

जन्नत जैसा लाहौल-स्पीति

हिमाचल प्रदेश में पहले लाहौल और स्पीति के रूप में दो अलग-अलग जिले थे, लेकिन अब इन्हें मिलाकर एक जिला लाहौल-स्पीति कर दिया गया है। जुलाई के महीने में इस क्षेत्र में पर्यटकों के आने का सिलसिला शुरू हो जाता है, क्योंकि बर्फ पिघलना आरंभ हो जाती है और सड़कों पर चलना संभव हो जाता है। एडवेंचर पसंद करने वालों, प्रकृति प्रेमियों और शहरी जीवन की तेजी व शोर-शराबे से बचने वालों के लिए लाहौल-स्पीति जुलाई-अगस्त के महीनों में जन्नत जैसा हो जाता है। इस समय मौसम इतना सुहावना होता है कि ठंड का एहसास तक नहीं होता और गर्मी लगने का तो सवाल ही नहीं उठता है। सबसे अच्छी बात यह है कि लाहौल-स्पीति, रेन शैडो एरिया है, जिसका अर्थ है कि यहां जुलाई में न के बराबर बारिश पड़ती है, इसलिए जब देश के बाकी हिस्सों में मानसून अपने चरम पर होता है तो उससे बचने के लिए लाहौल-स्पीति में आनंदमय शरण ली जा सकती है। *

कांवड़ यात्रा शिवभक्ति के साथ संकल्प-श्रद्धा की पावन यात्रा

कंधों पर कांवड़, पैरों में छाले और जुबां पर सिर्फ एक ही उद्घोष- हर-हर महादेव। सावन आते ही सड़कों पर उमड़ता आस्था का यह जनसैलाब, सदियों पुरानी उस परंपरा की कहानी कहता है, जहां आस्था, त्याग और शिवभक्ति साथ-साथ चलते हैं।

{ आस्था / शिखर चंद जैन }

शिव आराधना का सबसे पावन और कठिन अनुष्ठान है कांवड़ यात्रा। श्रावण मास की शुरुआत से ही चारों ओर 'बम-बम भोले', 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' की गूंज सुनाई देने लगती है। केसरिया वस्त्र पहने लाखों श्रद्धालु कांवड़िए पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल यात्रा करते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अगाध श्रद्धा, मानसिक संकल्प और शारीरिक सहिष्णुता का जीवंत प्रतीक है। ऊंच-नीच के भेदभाव को भुलाकर, केवल शिव भक्ति में लीन होकर एक ही दिशा में कदम बढ़ाना इस यात्रा को अलौकिक और अद्वितीय बनाता है।

कांवड़ यात्रा की शुरुआतः कांवड़ यात्रा की शुरुआत को लेकर कई धार्मिक-पौराणिक कथाएं एवं मान्यताएं प्रचलित हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार परशुराम जी को सबसे पहला कांवड़िया माना जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास 'पुरा महादेव' नाम के दिव्य शिवलिंग की स्थापना की थी। परशुराम जी ने गढ़मुक्तेश्वर से पवित्र गंगाजल लाकर इस शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। उस समय श्रावण मास चल रहा था। तभी से इस परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष निकला, तो ब्रह्मांड को बचाने के लिए भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और उनका शरीर तपने लगा। शिव जी के शरीर की जलन को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने उन पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया। रावण द्वारा वैद्यनाथ धाम में गंगाजल लाकर शिव जी को अर्पित करने की कथा भी प्रचलित है।

कांवड़ यात्रा की महत्ताः यात्रा के दौरान कांवड़िए मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और अपशब्दों से पूरी तरह दूर रहते हैं। बिना जूते-चप्पल के पैदल चलना सहनशीलता सिखाता है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से गंगाजल लाकर शिव जी का अभिषेक करता है, उसकी सभी सांसारिक बाधाएं दूर हो जाती हैं और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

कई प्रकार की कांवड़ यात्राएं

सामान्य कांवड़ः इसमें कांवड़िए आराम से यात्रा करते हैं। वे रास्ते में बने शिविरों में रुक सकते हैं, भोजन कर सकते हैं और सो सकते हैं। रुकने के दौरान कांवड़ को स्टैंड या पेड़ पर टांगा जाता है।

डाक कांवड़ः इसमें जल भरने के बाद कांवड़िया बिना रुके लगातार दौड़ता या तेज चलता है। यदि कोई डाक कांवड़िया थक जाता है, तो उसकी टीम का दूसरा सदस्य कांवड़ लेकर दौड़ना शुरू करता है।

खड़ी कांवड़ः इस यात्रा में कांवड़ को हमेशा गति में रखना होता है। यदि कांवड़िया आराम करता है, सोता है तो उसकी जगह किसी दूसरे सहयोगी को कांवड़ को अपने कंधे पर लेकर खड़े रहना या चलना पड़ता है।

दंडी कांवड़ः इसमें श्रद्धालु नदी से जल भरने के बाद शिव मंदिर तक की पूरी दूरी साष्टांग प्रणाम करते हुए पूरी करते हैं। इस यात्रा को पूरा करने में हफ्तों या महीनों का समय लग जाता है।

प्रसिद्ध कांवड़ यात्राएंः भारत में दो सबसे बड़ी कांवड़ यात्राएं आयोजित होती हैं। पहली हरिद्वार यात्रा, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार, ऋषिकेश या गौमुख से गंगाजल भरते हैं। ये श्रद्धालु वापस आकर अपने स्थानीय शिव मंदिरों में जल चढ़ाते हैं। दूसरी सुल्तानगंज से देवघर तक की यात्रा। इस यात्रा में श्रद्धालु सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेते हैं और देवघर स्थित वैद्यनाथ धाम में ज्योतिर्लिंग पर जल अर्पित करते हैं। *

जंगलों के नायक-रक्षक फॉरेस्ट रेंजर

जंगली जानवरों ही नहीं वन संपदा की सुरक्षा करने और उन्हें संवर्धित करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका फॉरेस्ट रेंजर्स की होती है। ये किस-किस तरह की भूमिकाएं निभाते हैं, इस बारे में आपको भी जानना चाहिए।

{ भूमिका / शैलेंद्र सिंह }

जब भी भारत के बाघों की बढ़ती संख्या, एशियाई शेरों और काजीरंगा के गैंडों की सुरक्षा या हाथियों के संरक्षण की बात होती है, तो सुर्खियों में अकसर राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य और सरकारी योजनाएं होती हैं। लेकिन इन सफलताओं के पीछे ऐसे हजारों चेहरे भी होते हैं, जिनका नाम शायद ही कभी सुर्खियां बनता हो। ये हैं हमारे फॉरेस्ट रेंजर और फ्रंट लाइन वन सुरक्षाकर्मी। ये वो लोग होते हैं, जो हर मौसम, हर परिस्थिति और हर खतरे के बीच जंगलों की रक्षा में दिन-रात डटे रहते हैं। यही कारण है कि 31 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व रेंजर दिवस केवल एक औपचारिक दिवस भर नहीं है, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

निभाते हैं कई भूमिकाएंः वन या फॉरेस्ट रेंजर का काम केवल जंगल में गश्त लगाना भर नहीं है, उसकी जिम्मेदारी वास्तव में किसी एक विभाग तक सीमित नहीं है। उन्हें वन्यजीवों की सुरक्षा करनी पड़ती है, अवैध शिकार पर नजर रखनी होती है, लकड़ी की तस्करी रोकनी होती है, जंगल में लगने वाली आग पर नियंत्रण पाना होता है, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में लोगों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है और कई बार घायल वन्यजीवों के बचाव अभियान में भी हिस्सा लेना पड़ता है। मतलब यह एक ऐसी नौकरी है, जिसमें हर दिन एक नहीं बल्कि कई तरह की चुनौतियों से निपटना होता है।

कठिनाइयों में निभाते दायित्वः एक वन रेंजर का दिन अकसर सूर्योदय से पहले शुरू हो जाता है। वह कई किलोमीटर तक पैदल गश्त करता है। दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़ाई करता है। घने जंगलों में घंटों तक निगरानी करता है और रात में भी सतर्क रहना पड़ता है। यह सब उसके काम का हिस्सा है। बरसात, भीषण गर्मी या कड़ाके की ठंड, प्रकृति का कोई भी मौसम उसकी जिम्मेदारी को कम नहीं करता बल्कि कई बार उसे ऐसे इलाकों में काम करना पड़ता है, जहां मोबाइल नेटवर्क तक काम नहीं करता।

हर क्षेत्र में सक्रियः निःसंदेह आज भारत दुनिया का सबसे ज्यादा जंगली बाघों वाला देश है। लेकिन यह उपलब्धि केवल सरकारी नीतियां बना देने भर का परिणाम नहीं है बल्कि उन वन कर्मियों की सतत मेहनत का भी नतीजा है, जो कैमरा ट्रैप की निगरानी करते हैं, जंगल में गश्त करते हैं, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हैं और शिकारियों के खिलाफ कार्यवाई करते हैं। गुजरात में एशियाई शेरों की सुरक्षा का सवाल हो, असम में एक सींग वाले गैंडों का संरक्षण हो या दक्षिण भारत के हाथी गलियारों की निगरानी करनी हो, हर जगह वन रेंजर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं।

बढ़े हैं नए दायित्वः हाल के कुछ सालों में वन रेंजरों का कार्यक्षेत्र और भी ज्यादा व्यापक हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया के जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं बढ़ रही हैं, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं और मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले भी बढ़े हैं। ऐसे में वन रेंजर अब केवल वन्यजीवों के संरक्षक भर नहीं हैं बल्कि पर्यावरणीय आपदाओं से निपटने वाले अग्रिम प्रहरी भी बन गए हैं। वे जंगलों की स्थिति का आंकलन करते हैं, जलस्रोतों की निगरानी करते हैं और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर संरक्षण योजनाओं को लागू करते हैं। तकनीक ने इनके काम को नई दिशा दी है। आज कैमरा ट्रैप, ड्रोन, जीपीएस आधारित स्मार्ट पेट्रोलिंग, रेडियो कॉलर, सैटेलाइट मैपिंग और एआई जैसे उपकरण वन्यजीव संरक्षण में मदद कर रहे हैं। मगर ये सारी तकनीक सिर्फ सहायक हैं। अंतिम निर्णय और जोखिम उठाने का साहस केवल और केवल वन रक्षकों का ही होता है। इसलिए आज भी मौके पर त्वरित कार्यवाई वन रेंजरों की सूझबूझ और अनुभव के जरिए ही होती है।

रिस्क भी है बहुतः फॉरेस्ट रेंजर्स का काम जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जोखिम भरा भी है। कई बार उन्हें हथियाबंद शिकारियों और वन माफिया का भी सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जंगली हाथी, बाघ, तेंदुए या भालू जैसे वन्यजीवों से अचानक सामना भी जानलेवा हो सकता है। जंगल की आग, बाढ़, भू-स्खलन और विषैले जीव-जंतु भी उनकी राह में कई तरह के जानलेवा रोड़े अटकाते हैं। यह अकारण नहीं है कि दुनिया में हर वर्ष बड़ी संख्या में वन रेंजर ड्यूटी के वक्त अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व रेंजर दिवस वास्तव में ऐसे ही बहादुर वन रक्षकों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है। *

एक्टिंग की दुनिया में विक्रांत मेसी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। टीवी से शुरू हुआ विक्रांत का सफर फिल्म और वेब सीरीज तक पहुंच चुका है। हर किरदार में कुछ नया तलाशने वाले विक्रांत इन दिनों नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। यहां प्रस्तुत है इस वेब सीरीज और एक्टिंग करियर पर विक्रांत मेसी से हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

लवस्टोरी बेस्ड बहुत दिलचस्प वेब सीरीज है 'मुसाफिर कैफे': विक्रांत मेसी

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

विक्रांत मेसी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी से की थी। उसके बाद विक्रांत ने फिल्मों में काम शुरू किया। उनको फिल्म '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कई वेब सीरीज में भी विक्रांत मेसी ने अलग-अलग तरह का अभिनय करके दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में विक्रांत मेसी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। साथ ही विक्रांत इस सीरीज के को-प्रोड्यूसर भी हैं। 'मुसाफिर कैफे' में उनका काम करने का अनुभव कैसा रहा? इसके अलावा अपने एक्टिंग करियर से जुड़े कई दिलचस्प सवालों के जवाब दिए विक्रांत मेसी ने।

रोमांटिक वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में आप एक्टर होने के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर भी हैं। इस वेब सीरीज को प्रोड्यूस करने और इसमें अभिनय करने का खयाल आपके मन में कैसे आया?

एक एक्टर की हमेशा ख्वाहिश होती है कि उसे अच्छी कहानी पर काम करने का या अभिनय करने का मौका मिले। मेरी भी हमेशा कोशिश रहती है कि मैं जो भी काम करूं या जो भी किरदार निभाऊं, उसमें मुझे कुछ अलग कुछ नया करने का मौका मिले। ऐसे में जब मुझे 'मुसाफिर कैफे' वेब सीरीज का ऑफर आया तो मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी, लिहाजा मैंने इस वेब सीरीज में एक्टिंग करने के साथ-साथ बतौर सह निर्माता भी नई शुरुआत की। चूंकि यह सीरीज नेटफ्लिक्स की है और मैं नेटफ्लिक्स के साथ पहले भी काफी काम कर चुका हूं, इसलिए मुझे लगा कि मैं 'मुसाफिर कैफे' प्रोड्यूस भी करूं। यह लवस्टोरी पर बेस्ड बहुत ही दिलचस्प सीरीज है, जिसमें पहाड़ों में रोमांस दिखाया गया है।

'मुसाफिर कैफे' के एक सीन में को-एक्ट्रेस के साथ विक्रांत मेसी

'मुसाफिर कैफे' में रोमांस को दो तरीके से दिखाया गया है, जिसमें एक तरफ जवानी की शुरुआत के दौरान का प्यार है, जो हमें प्यार करना सिखाता है और दूसरी तरफ एक ऐसा भी प्यार है, जो सच्चे प्यार की अहमियत समझाता है। इन दोनों में से कौन-सा प्यार आपको आकर्षित करता है?

मेरे खयाल में अगर जिंदगी का तजुर्बा हासिल करना है तो दोनों प्यार का अनुभव पाना जरूरी है। एक बार प्यार में दिल टूटने के बावजूद अगर आपको दूसरा प्यार मिल जाता है तो इसके बाद आपको सच्चे प्यार की परख होती है। और यह फर्क तभी पता चलता है, जब आप दोनों प्यार की अच्छाई-बुराई का अनुभव करते हैं। जवानी में होने वाला प्यार आपको खुशी देता है, तो एक उम्र के बाद मैच्योरिटी में मिला प्यार आपको सुकून देता है। यही इस सीरीज में दिखाया गया है। इस सीरीज की कहानी दिव्य प्रकाश दुबे की नॉवेल पर बेस्ड है।

इस सीरीज में एक्टिंग के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभालना आपके लिए कितना मुश्किल या कितना आसान रहा?

सच कहूं तो मुझे तकनीकी पक्ष की ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन शरण्या राजगोपाल जैसी सक्षम लेखिका और टेरीबली टिनी टेल्स जैसे बेहतरीन प्रोडक्शन पार्टनर की वजह से बतौर निर्माता मेरे लिए काम करना आसान हो गया। इनके साथ काम करने के बाद मुझे प्रोडक्शन या तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत नहीं पड़ी। अगर दमदार कहानी हो, अच्छी स्क्रिप्ट और पूरी तैयारी हो तो आपको सेट पर जाकर काम करना आसान हो जाता है।

आपने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करके बड़े पर्दे पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। '12वीं फेल' के लिए तो आपको राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। अपने इस सफर को आप कैसे देखते हैं?

राष्ट्रीय पुरस्कार पाना एक कलाकार के लिए बहुत बड़े सम्मान की बात होती है। जब मुझे पता चला कि मुझे '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। बाकी जहां तक टीवी से फिल्म और फिल्म से वेब सीरीज तक अभिनय सफर की बात है तो वह मुश्किल भी रहा और मजेदार भी, क्योंकि आपको जब कड़ी मेहनत करने के बाद सफलता का मजा चखने का मौका मिलता है तो एक अंदरूनी खुशी होती है। जिसे बयां नहीं किया जा सकता है।

काम के प्रति आपका उत्साह, आपकी लगन और ऊर्जा आज भी बरकरार है। आपके प्रेरणा स्रोत कौन हैं?

एक एक्टर कभी भी अपने काम से संतुष्ट नहीं होता और उसे ऐसा लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यही जुनून उस एक्टर के लिए प्रेरणा स्रोत होता है। जब मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला तो कई लोगों ने मुझे यही सवाल किया, 'आपका लक्ष्य तो पूरा हो गया, क्या आगे भी आप ऐसे ही काम के प्रति प्रोत्साहित रहेंगे?' ऐसे में मेरा यही मानना है पुरस्कार या सम्मान यात्रा के पड़ाव हैं। असली लक्ष्य है, अच्छी कहानी के जरिए आम लोगों के बीच सच में बदलाव करना। *